No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-14

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

08746

जून, 2016

एम.एच.डी.-14 : हिन्दी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* गद्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) मैं कैसी हतभागिनी हूँ । एक वे स्त्रियाँ हैं, जो आराम से तकिया लगाए सो रही हैं, लौंडियाँ पैर दबाती हैं । एक मैं हूँ कि यहाँ बैठी हुई अपने नसीब को रो रही हूँ । मैं यह सब दुःख क्यों झेलती हूँ ? एक झोंपड़ी में टूटी खाट पर सोती हूँ, सूखी रोटियाँ खाती हूँ । नित्य घुड़कियाँ सुनती हूँ, क्यों ? मर्यादा-पालन के लिए ही न ? लेकिन संसार मेरे इस मर्यादा-पालन को क्या समझता है ?

(ख) चरित्रोन्नति के लिए भी विविध प्रकार की परिस्थितियाँ अनिवार्य हैं । दरिद्रता को काला नाग क्यों समझें ? चरित्र संगठन के लिए यह सम्पत्ति से कहीं महत्त्वपूर्ण है । यह मनुष्य में दृढ़ता और संकल्प, दया और सहानुभूति के भाव उदय करती है । प्रत्येक अनुभव चरित्र के किसी-न-किसी अंग की पुष्टि करता है, यह प्राकृतिक नियम है ।

(ग) तुम मुझ पर यह मिथ्या दोषारोपण करते हो । मैं जनता के लिए सत्य से मुँह नहीं मोड़ सकता । सत्य मुझे देश और जाति, दोनों से प्रिय है । जब तक मैं समझता था कि प्रजा सत्य-पक्ष पर है, मैं उसकी रक्षा करता था । जब मुझे विदित हुआ कि उसने सत्य से मुँह मोड़ लिया, मैंने भी उससे मुँह मोड़ लिया । मुझे रियासत के अधिकारियों से कोई आंतरिक विरोध नहीं है । मैं वह आदमी नहीं हूँ कि हुक्काम को न्याय पर देखकर भी अनायास उनसे बैर करूँ और न मुझसे यही हो सकता है कि प्रजा को विद्रोह और दुराग्रह पर तत्पर देखकर भी उसकी हिमायत करूँ ।

(घ) जिससे तुम अपनी बुरी-से-बुरी बात न कह सको, उससे तुम प्रेम नहीं कर सकते । हाँ, उसके साथ विहार कर सकते हो, विलास कर सकते हो । उसी तरह जैसे कोई वेश्या के पास जाता है । वेश्या के पास लोग आनंद उठाने ही जाते हैं, कोई उससे मन की बात कहने नहीं जाता । तुम्हारी भी वही दशा है ।

2. प्रेमचन्द की साहित्यिक मान्यताओं की समीक्षा कीजिए । *10*

3. जालपा का चरित्र-चित्रण कीजिए । *10*

4. 'रंगभूमि' पर गाँधीजी की जीवन-दृष्टि का प्रभाव कहाँ तक दिखाई देता है ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए । *10*

5. मध्यवर्गीय मानसिकता की दृष्टि से रमानाथ के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए । *10*